

दिनांक	पत्र वा कार्यावाही का परिचय पत्र	संख्या व तारीख संख्या व तारीख हस्ताक्षर की तारीख में जारी हुए
--------	----------------------------------	--

२४/८/२५ पत्रा पेश इति वकील उममपल हाजिर। व वकील
वादी व वकील प्रतिवादी ने आपसी सजती
से पुनः ३ घण्टा एत अवसर चाहा। आदेश
में एउ ओर अवसर दिया जाता है पत्रावली
दिनांक २५/०८/२५ को पेशा। लखनऊ स्थान
प्रशासन २४/०८/२५

सहायक कलेक्टर (द्वितीय) सीकर

२५/८/२५

पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषकगण
ने कार्य स्थगित कर रखा है। पत्रावली
पूर्व आदेशानुसार दिनांक... २३/९/२५
को पेश हों।

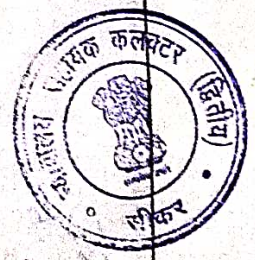
१३/०९/२०५

पत्रावली पेश इति वकील
उममपल पक्ष उ५०। प्र५२०) से वदस
ग. इ. सुनी) गरी। वानने आदेश पत्रावली
दिनांक १९/०९/२०५ को पेश है।

१९/०९/२०५

पत्रावली वानने ग. इ. आदेश
आज पेश इति वकील उममपल पक्ष
की वदस पूर्व से सुनी जा चुकी
है।

परवक्त वदस वकील प्राथमिक
ने अपना प्रार्थना - क उ समर्थन
में निवेदन किया कि विवादि न
आवली पेशित भूमि है।



शरीर संख्या	पुरुष या स्त्री का नाम व तिथिदिनांक	नम्बर बहुकार दुकान नं में जा
----------------	-------------------------------------	---------------------------------------

बिड़दा के नाम से 2011-20 को
 (1) अदावती- दर्ज है। सजर जानदान
 जो गद्दी द्वारा प्रस्तुत किया है
 की सही है। बिड़दा के चार पुत्र
 मोरा, सुरजा, तुलछा व माना हुआ
 जिनमे से बिड़दा के जीवनकाल में ही
 पुत्र तुलछा अल्प-आयु में फौज हो
 गया। जो प्राचीनग का दादा/दादेर (मुर
 था) विवाहित भूमि प्राचीनग एवं
 अशर्की सं. 1 ता 5 की पैतृक कृषि
 भूमि है जिस पर पूर्व में प्राचीनग
 व अशर्कीग का पूर्वज बिड़दा काबिज
 काशत खानेदार था और बिड़दा के फौज
 होने पर बिड़दा के चारों पुत्र काबिज
 काशत खानेदार रहे और चारों पुत्र
 फौज होने के बाद सजर। जानदान
 अनुसार उनके गदितान प्राचीनग एवं
 अशर्कीग सं. 1 ता 5 अपने हिस्से की
 भूमि पर काबिज होकर संयुक्त रूप से
 काशन करने चले आ रहे हैं। प्राचीनग के
 पूर्वज तुलछा अल्प आयु में फौज होने
 पर उसकी बेवा जीवती देगी, पुत्र नारायण
 की बरजी के हवाले छोड़कर दूसरी जगह
 जाता कर लिया। ऊक्त नारायण के
 बालिग होने पर उसकी शादी उक्त
 बरजी जो रहने में उक्त नारायण की
 बड़ी माँ थी, ने कर की जिनगी बेवा व
 पुत्र प्राचीनग है। इन प्रकार प्राचीनग के



29/9/2014
 कुमारी कुमारी R.A.S.
 सहायक कलेक्टर (द्वितीय)
 सीकर

संख्या
दिनांक

सूचना या कार्यवाही का प्रारंभिक क्रम

संख्या व तारीख
सूचना जो इस
सूचना की तारीख
में जारी हुई

पूर्वज तुलसा की अल्प आयु में मृत्यु
ही जाने पर अग्रणीगण के पूर्वज मोटा
ने खान कर विवादित उगाराजी की
खानेदारी मोटा व सुरजा के नाम
करवा ली एवं अग्रणीगण के पूर्वज तुलसा
का नाम इन्द्राज नहीं करवाया। जहाँ
विवादित उगाराजी के अग्रणीगण एवं अग्रणी-
गण सं. १२५ संयुक्त रूप से एक कदि-
कारी हैं जिसमें अग्रणीगण १/५ हिस्से के
संयुक्त खानेदारी के एक कदिगानी हैं एवं
इसी कनुकाट मोटे पर काबिज कायम
है। उक्त मोटा परिवार ने रेकार्ड में गलत
क्रम के आधार पर विवादित भूमि के दो
कुछ भूमि का बेचान कर दिया, हमारे
द्वारा ऐतराज करने पर हमें ६०,००० रुपये
देकर संतुष्ट किया, जिनकी रुकायत पर
लिखावट की गई जिनकी मूल प्रति अग्रणीगण
के कब्जे में है। इन प्रकार अग्रणीगण बिडदा
के वंशज हैं जो अग्रणीगण के जगह दावे के
admitted Point हैं। खानेदार बिडदा की
मृत्यु पर भरा गया नॉम्बर सं. २३/२१.३.१९६०
अग्रणीगण के संदर्भ में कुछ दे ही प्रभावहीन
एवं शून्य है। विवादित भूमि अग्रणीगण की
पैतृक भूमि है, बिडदा के वंशज हैं। अतः
प्रथम सुप्रीम कोर्ट में अग्रणीगण के पक्ष में है
नहीं यदि दावे के निरंतरण के दौरान



२१/११/२०२१
मुनेश कुमारी
सहायक कलेक्टर (द्वितीय)
सीकर

अग्रणीगण द्वारा विवादित भूमि का
बेचान, मुद्द-मुद्द आदि करने पर अग्रणीगण

तारीख ५/५/५६	पुत्र या धार्यवाही वय प्रतिबिम्बक वय	पन्च अहम हुसैन नं ७
-----------------	--------------------------------------	------------------------------

कारि श्री प्राचीगण ही होगी अतः अग्रणी-
गण की दावे के निरस्तारण तब विवादि
भानाजी के मौते एवं रेकार्ड की यथा-
स्थिति खामोश खामोश पाठ्य कमपा
जावे।

पकील प्राचीगण की बहस के जवाब
में पकील अग्रणीगण सं० १ ना ५ ने परंपक
बहस तर्क प्रस्तुत किया कि प्रकरण में
विवादित कृषि भूमि वेंतु नही है एवं
उनमें प्राचीगण का संयुक्त रूप से १/५
हिस्सा होना कर्तव्य गलत है। प्राचीगण
द्वारा प्रस्तुत खजरा खानदान सही
है। विवादित कृषि भूमि अग्रणी सं०
१ ना २ के पिता, प्रविवादिनी सं० ३ के
ससुर, अग्रणी सं० ५ ना ५ के दादा मोरा,
अग्रणी सं० २ हेमा की दत्त माता एवं
दत्त पिता सुरजा के सुद के बच्चे
काहत व खातेदारी की कृषि भूमि है।
मोरा व सुरजा काफी समय पूर्व से
अलग होकर उक्त कृषि भूमियों की
भलगा से काहत करते चले आ रहे
थे। इसी वजह से एवं सुद काबिज
काहतगार होने से धारा १७ राजस्थान
काहतकारी अधिनियम के तहत दत्त मोरा
व सुरजा को खातेदारी अधिकार प्राप्त
हो गये थे। पुराने ख० नं० २३१ रकबा ॥ बीज
७ बिस्वा जिसके तमने ख० नं० ५५६ रकबा
३.०१ है वहाँ ग्राम गुठावू प्राचीगण के



५/५/५६
मुनेश कुमार R.A.S.
सहायक कलेक्टर (द्वितीय) सीकर

दिनांक

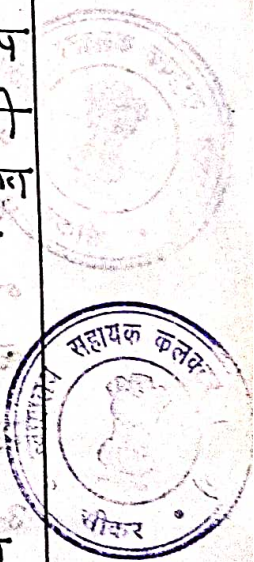
आज्ञा-पत्र

तुलना के नाम से राजस्व रेकार्ड में गलत दर्ज हो गयी जो अब अज्ञात के नाम से है तथा उक्त कीर्ण गुवाड़ी की भूमि पर प्राचीगण ने नाजायज कब्जा कर रखा है। प्राचीगण न्यायालय द्वारा उक्त समस्त clean hands से नहीं आये हैं। उक्त मोटा व सुरजा के नाम से नामान्तरकरण सं० २३ दिनांकित २७-०३-१९६० बिल्कुल विधिवत रूप से सही भरा गया है जिसके चलते प्राचीगण पिछले ६०-७० से वर्षों से निर्बन्ध रूप से विवादित आराजी के काबिज खानेदार का इतना ही उद्योग कर रहे हैं, जिसमें खानेदार करने का प्राचीगण को कोई हानि तक अधिकार नहीं है। प्राचीगण द्वारा तथाकथित ६०,००० रुपये की लिखावट फर्जी है। अतः प्राचीगण का प्राचीन पत्र T.I. सव्यप खारिज करमाया जावे।

पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रेकार्ड, दरतावेजात का अवलोकन किया गया एवं बहस पुरुलाय उभय पक्ष पर सगौर मनन किया गया।

चूंकि विवादित आराजी प्रस्तुत राजस्व रेकार्ड अनुसार पूर्व खानेदार विरदा पुर पुगा की खानेदारी भूमि

(मुनेश गुमारी R.A.S.)
सहायक कलेक्टर (द्वितीय)
सीकर



रही है जिसकी स्वीकारोक्ति पकुलाय उम
 द्वारा अपने-अपने कथनों में की गई है
 भूमि काबत प्राथीगण का कथन है कि कि
 में प्राथीगण का संयुक्त कब्जा - काबत है
 अप्राथीगण सं० 1 ता 5 का कथन है कि
 कृषि भूमि उनके पूर्वज मोटा व सुरजा
 काबिज काबतकार होने का धारा - 19 रा
 काबतकारी अधिनियम, 1955 के तहत जरि
 सं० 23 दिनांकित 27.03.1960 खातेदारी आ
 प्राप्त हुए हैं। पकुलाय उमय पक्ष द्वारा प्रा
 द्वारा प्रस्तुत सजरा खानदान की सही म
 उक्त तथ्यों के आलोक में न्याया



के समक्ष मुख्य विचारणीय प्रश्न यह है
 नामा सं० 23 दिनांकित 27-03-1960 जो
 काबतकार होने के बाले भरा गया सब
 नामान्तरकरण विरासत के आधार पर ^{भराजाना था} किया
 काबतकारी अधिनियम, 1955 लागू हो चुका था
 साक्ष्य का विषय है। विवादित पक्षकारान
 अधिकारों का निर्धारण मूल वादपत्र में
 के आधार पर किया जाना है। अतः उक्त
 तथ्यों के आलोक में उमय पक्षकारान की
 फुंसल वाद अरुवाई निवेद्या से पाबत
 आता है कि आप विवादग्रस्त कृषि भूमि
 सं० 263, 273 रकबा 7.08 है के वर्तमा

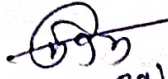
29/9/60
 (मुनेश कुमारी)
 सहायक कलक्टर (द्वितीय), सीकर

सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर
प्रभ १५ देव १६/१५

दिनांक

आज्ञा-पत्र

रेकार्ड एवं मोंके की थचारिथि
बनाये रखें। पत्रावली उँसल शुमार
होकर नम्बर से कम हो तथा
बाद तक्षील हमफीला मूल वादफ्य
हो। यह निवधि आज दिनांक २१/१/२०२५
की मेरे द्वारा हरनाक्षरित कर
न्यायालयी मुद्रा सहित जुले न्यायालय
में सुनाया गया।


21/01/2025
(मुनेश कुमारी)
RAS
सहायक कलक्टर
द्वितीय (सीकर)

